

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई-2026 एवं जनवरी-2027 सत्र के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : एफ.एच.डी.-02

हिंदी में आधार पाठ्यक्रम-02



मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068

**हिन्दी में आधार पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य (2026–2027)**

पाठ्यक्रम कोड : एफ.एच.डी.-02/2026–2027

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किये गये हैं।

उद्देश्य : सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। उद्देश्य यह भी है कि अध्ययन के दौरान जो कुछ आपने सीखा और समझा है उसे आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें। इस पाठ्यक्रम में आपको लेखन कौशल का व्यावहारिक ज्ञान कराया गया है। सत्रीय कार्य में हमने अधिकांश प्रश्न ऐसे दिए हैं, जिनसे लेखन कौशल से संबद्ध आपकी कुशलता की जाँच हो सके। इससे आपको अपनी क्षमता का विकास करने में मदद मिलेगी तथा जाँचे हुए सत्रीय कार्यों से आप अपनी त्रुटियों और कमजोरियों को पहचान सकेंगे और उन्हें दूर कर सत्रांत परीक्षा में बेहतर परिणाम पा सकेंगे।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1. ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए विस्तृत निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।
2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
3. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख कीजिए।
4. उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अनुक्रमांक :

नाम :

पता :

पाठ्यक्रम का नाम/कोड :

सत्रीय कार्य कोड :

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड :

दिनांक :

5. उत्तर के लिए केवल फुलस्क्रेप के आकार के कागज का इस्तेमाल करें और उन कागजों को अच्छी तरह से बाँध लें।
6. प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।
7. सत्रीय कार्य पूरा करके जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator) के पास निर्धारित तिथि तक अवश्य जमा करा दें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि
जुलाई 2026 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2027
जनवरी 2027 सत्र के लिए : 30 सितम्बर, 2027

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश :

1. अध्ययन: सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए । फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए । अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए ।
2. अभ्यास: अपने उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए । निबन्धात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए । उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए । मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें । उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए । एक प्रश्न में आपको कहानियों से लिए गए कुछ गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करनी है । इसके लिए गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और संदर्भ सहित व्याख्या करें ।
3. प्रस्तुति: जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए ।
4. विशेष : अपने उत्तर की फोटो प्रति/कार्बन प्रति अपने पास अवश्य रखें ।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

- क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
- ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो ।
- ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो ।
- घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
- ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें ।

शुभकामनाओं सहित!

नोट : याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खंड (क)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- (क) संप्रेषण के अर्थ को स्पष्ट करते हुए संप्रेषण के विविध रूपों पर प्रकाश डालिए। (15)
- (ख) रिपोर्ट/प्रतिवेदन लेखन के विभिन्न चरणों का उल्लेख कीजिए। (15)
- (ग) मोहन राकेश की डायरी के पठित अंश की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (10)
- (घ) वैयक्तिक लेखन की विभिन्न विधाओं पर प्रकाश डालिए। (10)

खंड (ख)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(5x5) = 25

- (क) सामाजिक आदान-प्रदान के विभिन्न रूपों का उल्लेख कीजिए।
- (ख) जहाँ सुमति तहाँ संपत्ति नाना।
जहाँ कुमति तहाँ विपत्ति निदाना।।
उपरोक्त सूक्ति का भाव पल्लवन कीजिए।
- (ग) रिपोर्टाज लेखन में रेणु की विशेषताओं पर अपने मत व्यक्त कीजिए।
- (घ) मुद्रित माध्यमों की भाषा पर चर्चा कीजिए।
- (ङ) राहुल सांकृत्यायन के यात्रा वृत्तांत 'ल्हासा से उत्तर की ओर' के प्रतिपाद्य को समझाइए

खंड (ग)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(5x5) = 25

- (क) महादेवी वर्मा के संस्मरण 'पथ के साथी' की अन्तर्वस्तु बताइए।
- (ख) अपने मोहल्ले की समस्या के समाधान के लिए सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए संपादक के नाम पत्र लिखिए।
- (ग) कोई दो फीचर पढ़कर उनकी भाषा की तुलना कीजिए।
- (घ) किसी समाचार को पढ़िए और उसकी भाषागत विशेषताओं का विवेचन कीजिए।
- (ङ) तार्किक लेखन में उदारहणों के महत्व पर प्रकाश डालिए।